डाक पंजीयन SSP/LW /NP-338/2015-2017 R.N.I. No. UPHIN/2000/05547

सार्थक स्वदेशी टाइम्स

हिन्दी साप्ताहिक

Hindi Web. Portel: www.sstnewstv.com

वर्ष - 20 अंक - 50 लखनऊ, शनिवार, 01 मई, 2021 पृष्ठ - 8 मूल्य - 1.00 रुपया

सीएम ने दिए 33 हजार बेड बढ़ाने के निर्देश, कोरोना की रोकथाम के लिए जिलों में अब सेक्टर प्रणाली

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों में बेड बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएम के निर्देश के बाद स्वास्थ्य विभाग १५ हजार बेड और चिकित्सा शिक्षा विभाग

१८ हजार बेड बढ़ाने की कवायद में जुट गया है। प्रदेश में फिलहाल एल-१, एल-२, एल-३ के अस्पतालों में करीब १.८० लाख बेड मौजूद हैं। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा विभाग आलोक कुमार ने बताया कि प्रदेश में राजकीय क्षेत्र के तहत २५ और निजी क्षेत्र के तहत कुल ३३ मेडिकल कॉलेज, चिकित्सा विवि और संस्थान संचालित हैं। इनमें १८ हजार १८१ बेड की व्यवस्था की गई है। इनमें से १२,६५९ बेड आइसोलेशन और पांच हजार ५२२ बेड आईसीयू के बेड हैं।

प्रदेश में कोरोना की रोकथाम को और व्यवस्थित करने के लिए जिलों में अब सेक्टर प्रणाली लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को टीम ११ की बैठक में यह निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट क्षेत्रों में लगातार भ्रमण करें और हर गतिविधियों पर नजर रखें। जरूरतमंदों को सरकारी नीतियों के अनुसार मदद पहुंचाया कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति हर दिन बेहतर हो रही है। बुधवार की तरह बृहस्पतिवार को भी ५५० मीट्रिक टन से अधिक की आपूर्ति होनी है। ऑक्सीजन टैंकरों की उपलब्धता बढ़ाने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी छोटे-बड़े अस्पतालों की जरूरतों पर नजर रखने को कहा है। वहीं, कुछ लोग अनावश्यक भय के कारण ऑक्सीजन सिलिंडर की जमाखोरी करने में लगे हैं। रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी की जा रही है। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने निर्देश दिए हैं। उन्होंने टेली कंसल्टेशन को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। कहा, नॉन कोविड मरीजों को भी इसकी सुविधा मिले। इसके लिए चिकित्सकों के नंबर, समय और विशेषज्ञता के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। विशेषज्ञ चिकित्सकों का पैनल गठित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कोविड वॉरियर्स के साथ अभद्रता की घटनाओं की निंदा की है। स्वास्थ्य कर्मी पूरी प्रतिबद्धता से लोगों की सेवा में जुटे हैं। उनके साथ अभद्रता कतई स्वीकार नहीं की जा सकती है। जिला प्रशासन ऐसी घटनाओं पर कठोरतम कार्रवाई करें। प्रत्येक दशा में स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही कहा, कुछ जिलों में अस्पतालों द्वारा मरीजों से अवैध वसूली की शिकायत मिली है। फर्जी चिकित्सकों की भी खबरें आई हैं। यह लोग मानवता के अपराधी हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

प्रत्येक पुलिस लाइन में बनाएं कोविड सहायता केंद्र

पुलिसकर्मियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विशेष प्रयास की जरूरत है। सीएम ने कहा कि गृह विभाग और स्वास्थ्य विभाग के परस्पर समन्वय से पुलिस लाइन में जरूरी प्रबंध करें। प्रत्येक पुलिस लाइन में कोविड सहायता केंद्रों और आइसोलेशन वार्ड बनाए जाएं।

विधायक, जज व आईएएस अफसर के निधन पर जताया शोक

मुख्यमंत्री ने विधायक केसर सिंह, सुरेश श्रीवास्तव व रमेश दिवाकर, हाईकोर्ट के जज वीके श्रीवास्तव और राजस्व परिषद के अध्यक्ष वरिष्ठ आईएएस दीपक त्रिवेदी के असामयिक निधन को अत्यंत दुःखद जताया। उन्होंने इनके परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

कोरोना निरोधक टीकाकरण के लिए होगा ग्लोबल टेंडर

राज्य सरकार ने कोरोना निरोधक टीकाकरण के लिए ग्लोबल टेंडर जारी करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सीरम इंस्टीट्यूट और भारत बायोटेक को ५०-५० लाख डोज का ऑर्डर दे दिया गया है। इसके अलावा ४-५ करोड़ डोज के लिए ग्लोबल टेंडर जारी किया जाए। इस कार्यवाही को तुरंत आगे बढ़ाया जाए।

पंचायत चुनाव के कारण हालात बेकाबू: मायावती

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलने के साथ ही सलाह भी दी है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पंचायत चुनाव को कोरोना वायरस संक्रमण के तेज गति से बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बताया है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को तीन ट्वीट किया है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पंचायत चुनाव टाल देती, अर्थात थोड़ा आगे बढ़ा देती तो यह उचित होता। इससे तो चुनाव ड्यूटी में लगे काफी कर्मचारियों की मृत्यु नहीं होती, जो अति-दुःखद है। मायावती ने कहा कि यह बसपा की मांग है कि उत्तर प्रदेश सरकार ऐसे सभी मृतक कर्मचारियों के आश्रित परिवार को उचित आर्थिक मदद करने के साथ ही उनके एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी जरूर दे। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि पंचायत चुनाव के साथ ही अब कोरोना वायरस के प्रकोप के गांव -देहातों में भी काफी फैलने की संभावना है। ऐसी स्थिति में बसपा की सलाह है कि उत्तर

प्रदेश सरकार शहरों के साथ-साथ गांवों में भी कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जरूरी कदम उठाए।

लखनऊ के टेंडर पॉम अस्पताल में ऑक्सीजन सप्लाई बाधित, पांच मरीजों की मौत के बाद हंगामा

लखनऊ(संवाददाता)। शहीदपथ स्थित टेंडर पॉम अस्पताल में बुधवार को तीन से चार मिनट तक मरीजों को आक्सीजन की सप्लाइ न मिलने (ब्रेक डाउन होने के कारण) वहां भर्ती कोविड समेत अन्य मरीजों की सांसों पर ब्रेक लग गया। जिससे करीब पांच मरीजों की जान चली गई। इसके बाद मरीजों के तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन से लेकर सरकारी व्यवस्थाओं पर प्रश्न खड़ा करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। देर रात तक हंगामा चलता रहा। इसके बाद जब आक्सीजन की सप्लाई शुरू हुई तो तीमारदार शांत हुए।

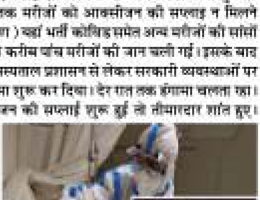

वहीं, अस्पताल के बिजनेस हेड ने तीन मरीजों की मौत स्वीकारी है। हालांकि उनका दावा है कि मरने वालों मरीजों की मौत का कारण आक्सीजन की सप्लाई बाधित होना नहीं है। उनकी अन्य कारणों से मौत हुई है। जानकारी के मुताबिक शाम करीब छह बजे आक्सीजन न होने पर अस्पताल के कर्मचारियों ने अस्पताल में भर्ती करीब १०० मरीजों के तीमारदारों को फोन कर कहने लगे कि उनके यहां आक्सीजन समाप्त हो गई है। वह अपने मरीजों को ले जाएं। इसके बाद तीमारदारों ने हंगामा शुरू कर दिया। इस बीच आक्सीजन की सप्लाई बाधित होने से इंद्र नारायण, रेखा सिंह और शंकर गुप्ता समेत एक के बाद एक पांच मरीजों की जान चली गई। अस्पताल के बिजनेस हेड विनय शर्मा ने बताया कि इंद्र नारायण बीते कई दिनों से ब्रेन डेड थे। उनकी और जो दो अन्य की मौत हुई है। उनकी मौत का कारण आक्सीजन नहीं है।

यूपी पंचायत चुनाव: अंतिम चरण में 74.35 प्रतिशत मतदान, कई जगहों पर बवाल

लखनऊ(संवाददाता)। पंचायत चुनाव के अंतिम चरण में ७४.३५ प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से बताया गया है कि छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांति पूर्ण रहा है। हालांकि पुलिस मुख्यालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में बवाल की सूचना मिली है। सभी सीतापुर, फर्रुखाबाद, गाजीपुर, मथुरा, अलीगढ़, शाहजहांपुर, बहराइच और बस्ती की घटनाएं शामिल हैं। इनमें अधिकतर स्थानों पर चुनाव लड़ रहे दो पक्षों में मारपीट की खबर है। कुल कितने प्रतिशत वोटिंग हुई इसकी जानकारी राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इकट्ठा की जा रही है।

अलीगढ़ के विजय गढ़ थाना क्षेत्र में आलमपुर मतदान केंद्र पर फर्जी

वोटिंग को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट के बाद मौके पर पहुंची पुलिस पर भी स्थानीय लोगों ने पथराव कर दिया जिससे कई पुलिस कर्मी घायल हो गए। इसके अलावा चार सरकारी गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए गए। पुलिस ने मौके से १५ लोगों को हिरासत में लिया है। सीतापुर में कोतवाली देहात क्षेत्र और इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के मतदान केंद्रों पर कई मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गायब होने पर बवाल हो गया। कोतवाली देहात क्षेत्र के शाह महोली मतदान केंद्र पर इसके चलते दो पक्ष आपस में भिड़ गए। यहां ४५ मिनट तक मतदान बाधित रहा। वहीं इमलिया सुल्तानपुर में वोटर लिस्ट में नाम न होने पर एक पक्ष ने हवाई फायरिंग कर दी। पुलिस ने यहां से १५ लोगों को हिरासत में लिया है।